



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 133]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 27, 2011/आषाढ 6, 1933

No. 133]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 27, 2011/ASADHA 6, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क व्यापारिकान्वय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जून, 2011

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. तथा-यूएई के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित “ओपल ग्लासवेयर” के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच का प्रारंभिक जांच परिणाम ।

सं. 14/24/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अधिनियम, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत चीन जन. गण. तथा यूएई (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल या वहाँ से निर्यातित “ओपल ग्लासवेयर” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से ला ओपाला आर जी से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।
- प्राधिकारी ने नियमावली, 1995 के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को अधिसूचित किया।
- घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्षय के आधार पर प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार दिनांक 26 अगस्त, 2010 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी करके संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित “ओपल ग्लासवेयर” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हैं ताकि कथित पाटन की औजूदगी, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि, लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 26 अगस्त, 2010 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति प्रेषित की थी और जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।

v. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई।

vi. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के विषय में भारत में स्थित संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को सूचित किया गया था और साथ ही अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों के नाम एवं पते के साथ उन्हें भी भेजी गई थी।

vii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने हेतु प्रश्नावली भेजी:

- क. आर्क इंटरनैशनल मिडिल ईस्ट, ईस्ट एलएलसी, यूएई
- ख. शंघाई फैमिली इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कंपनी, चीन जन.गण.
- ग. वेंगझौजु हुईशुंदा इंडस्ट्रियल कं.लि, चीन जन.गण.
- घ. सान्याम सिरेमिक्स लिंग, चीन जन.गण.
- ड. शेन्जेन गुआनागटोंग कंपनी, चीन जन.गण.
- च. जियानिंग हुईमेडा इंडस्ट्री एंड ट्रेड कं.लि., चीन जन.गण.
- छ. शाओजिंग जिलोंग ग्लासवेयर कं.लि, चीन जन.गण.
- ज. अन्हुई देली ग्लासवेयर कं.लि., चीन जन.गण.
- झ. यिवन सिटी लॉगफई इंपोर्ट्स एंड एक्सपोर्ट कं.लि., चीन जन.गण.
- अ. वेंगझौजु कैथिलिन इंटरनैशनल ट्रेड कं.लि., चीन जन.गण.
- ट. अन्हुई सुह्ने, चीन जन.गण.
- ठ. झेजियांग चेंगताई, चीन जन.गण.
- ड. मैंगो होल वेल्थ लिंग, चीन जन.गण.

viii. निम्नलिखित निर्यातक ने उपर्युक्त अधिसूचना का उत्तर दिया है :-

क. वेंगझौजु हुईशुंदा इंटरनैशनल कं.लि., चीन जन.गण.

ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

- क. तलवार एजेंसीज प्रा०लि०, नई दिल्ली
- ख. होम मेकर इंटरप्राइसेज प्रा.लि., नई दिल्ली
- ग. तनेजा क्रॉकरीज प्रा०लि०, नई दिल्ली
- घ. चिराज अप्लायंसेज प्रा०लि०, कोलकाता
- ड. पारस इंटरनैशनल, नई दिल्ली
- च. बैरन एजेंसीज प्रा०लि०, कोलकाता
- छ. आदित्य प्रमोटर्स प्रा.लि., नई दिल्ली

ज. सेवन सीज कॉर्पोरेशन, थाणे, महाराष्ट्र
 झ. लक्ष्मी क्रॉकरीज पुणे प्रा.लि., पुणे, महाराष्ट्र
 अ. विशाल रीटेल लिंग, नई दिल्ली
 ट. सिद्धार्थ इंटरप्राइसेज, भरुच, गुजरात
 ठ. मर्ज इंटरप्राइसेज, मुम्बई, महाराष्ट्र
 ड. राज एजेंसीज, पुणे, महाराष्ट्र
 ढ. हैमिल्टन हाउस वेयर प्रा०लि०, वादरा
 ण. के.पी. इंटरनैशनल, नई दिल्ली
 त. ट्रेड ट्रेकर्स, नई दिल्ली
 थ. डब्ल्यूकेसी ग्लासवेयर प्रा.लि., नई दिल्ली
 द. रुद्र इंटरनैशनल, नई दिल्ली

x. किसी भी आयातक ने उपर्युक्त अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है ।
 xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर को हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा है ।

xii. नई दिल्ली में सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा चीन जन.गण. के दूतावास को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) संबंधी एक प्रश्नावली अग्रेषित की गई थी । प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया कि वे पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-। के पैरा 7 और 8 के आलोक में आवेदकों के दावों की जांच करना चाहते हैं । अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों/उत्पादकों को पाटनरोधी नियमों के अनुबंध के पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी द्वारा इस बात का निर्धारण किया जा सके कि क्या चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जा सकता है ।

xiii. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से जांच अवधि सहित के संबद्ध वस्तुओं के पिछले तीन वर्षों के आयातों का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था ।

xiv. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएफी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

xv. 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 (जांच की अवधि) की अवधि की जांच की गई थी । क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2006-07, 2007-08 तथा 2008-09 की अवधि तथा जांच की अवधि शामिल होगी ।

xvi. इस अधिसूचना में *** का तात्पर्य किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना से है, तथा पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इसे यही माना गया है ।

अर्थव्यवस्था मंत्रालय, यूएई सरकार द्वारा किए गए निवेदनः

2. अर्थव्यवस्था मंत्रालय, यूएई सरकार द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए थे:-

- (i) दिनांक 01/09/2010 को नई दिल्ली स्थित यूएई के दूतावास द्वारा अग्रिम सूचना प्राप्त की गई थी तथा मामले की जांच दिनांक 26/08/2010 को शुरू की गई थी। यह असंगत है।
- (ii) उत्पाद का कार्यक्षेत्र बहुत अधिक व्यापक है और इसमें उत्पाद प्रकारों की एक व्यापक रेंज को कवर किया गया है। ये उत्पाद, समान उत्पाद नहीं हैं।
- (iii) वर्तमान मामले के अत्यधिक विचित्र तथ्यों के कारण दोनों संयंत्रों के निष्पादन की अलग-अलग जांच करने के याचिकाकर्ता के अनुरोध से घरेलू उद्योग की छवि विकृत होगी क्योंकि इसमें सितम्बर 2007 में एक नए संयंत्र की स्थापना भी शामिल है।
- (iv) यूएई द्वारा किए गए निर्यातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई क्योंकि क्षति अवधि के दौरान यूएई की निर्यात कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हो रही थी। अन्य बातों के साथ-साथ यह कहा गया है कि अन्य देशों से आयात की औसत कीमत कम थी और कुल आयातों में यूएई के आयातों के हिस्से में गिरावट आई है।
- (v) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत क्षति संबंधी दावा, याचिका में प्रस्तुत आंकड़ों से मेल नहीं खाता है। शिकायतनामे में कथित वास्तविक क्षति के साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। दूसरी ओर, आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग फल-फूल रहा था तथा मात्रा एवं घरेलू बिक्री, उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो रही थी तथा स्टॉक में कमी की स्थिति थी।
- (vi) घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण की पद्धति विवादास्पद है।
- (vii) निर्यात का अनुमानित पहुँच प्रभार अत्यधिक बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया है। कथित क्षति का कारण आयातों को छोड़कर अन्य कारक हो सकते हैं तथा किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पाई गई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:-

3. प्राधिकारी ने उपर्युक्त मुद्दों की निम्नानुसार जांच की है :-

- i. नई दिल्ली स्थित यूएक्सई दूतावास को दिनांक 23/08/2010 को ई-मेल द्वारा अग्रिम सूचना पत्र जारी किया गया था तथा दिनांक 26/08/2010 को कार्यवाही शुरू की गई थी। अतः यूएई सरकार को जांच शुरू करने से पूर्व अधिसूचित कर दिया गया था।
- ii. प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद ओपल ग्लासवेयर है जिसके अलग-अलग प्रकारों का उत्पादन किया जाता है तथा बेचा जाता है। अलग-अलग प्रकार के ओपल ग्लासवेयर विनिर्माण प्रक्रिया, उत्पादन प्रौद्योगिकी, कच्ची सामग्रियों तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण के मामले में समान उत्पाद माने जाते हैं। यद्यपि विभिन्न ग्लासवेयर प्रकारों का उपयोग अलग-अलग हो सकता है तथापि इस कारण से विभिन्न प्रकारों को असमान वस्तु नहीं माना जा सकता है। विभिन्न प्रकार के ओपल ग्लासवेयर उत्पादों को "सेट" में बेचा जाता है। विभिन्न प्रकार के सेट मौजूद होने के कारण विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत व्यापक

किसमें शामिल हैं और विनिर्माता आसानी से ग्लासवेयर के एक प्रकार को दूसरे प्रकार से बदल सकते हैं। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि विभिन्न प्रकार के ग्लासवेयर एक ही उत्पाद है। जहां तक सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी ने संख्या/सेटों के बजाय भार के आधार पर लागत/कीमत पर विचार किया है ताकि संख्या तथा सेट के मामले में विभिन्न आकारों/प्रकारों की किस्मों के कारण आने वाली समस्याओं से बचा जा सके।

- iii. प्राधिकारी ने समग्र रूप में घरेलू उद्योग की क्षति का आकलन किया है न कि संयंत्र-वार, नए संयंत्र की उत्पादन लागत पर इस प्रयोजनार्थ अलग से विचार नहीं किया गया है।
- iv. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन किया, है। चूंकि नियमों में विनिर्दिष्ट शर्तें, वर्तमान मामले में पूरी हो रही हैं अतः प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत इस प्रकार आकलन किया जाना अपेक्षित है। यूएई की सरकार और यूएई के किसी भी निर्यातक ने वर्तमान जांच में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करने की समुचितता पर विरोध प्रकट नहीं किया है।
- v. वर्तमान जांच में समुचित स्थानों पर प्राधिकारी द्वारा संगत आर्थिक मानदण्डों सहित क्षति के विभिन्न मानदण्डों की जांच की गई है।
- vi. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई के किसी भी निर्यातक ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है और निर्धारित प्रपत्र एवं पद्धति में सामान्य मूल्य से संबंधित अपेक्षित सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। यूएई के किसी निर्यातक की घरेलू बिक्री कीमत अथवा उत्पादन की वास्तविक लागत के आधार पर सामान्य मूल्य के साक्ष्य के अभाव में, प्राधिकारी के पास रिकॉर्ड में उपलब्ध सर्वतम सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने के अलावा कोई विकल्प मौजूद नहीं है।
- vii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई के किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत को दर्शाते हुए निर्यातक प्रश्नावली उपलब्ध नहीं कराई है। अतः प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम के संगत पैरा में इंगितानुसार यूएई हेतु निर्यात कीमत का अनन्तिम निर्धारण किया है। वर्तमान जांच में कारणात्मक संबंध की भी जांच की गई है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

4. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार के ओपल ग्लासवेयर हैं। ओपल ग्लास एक दूधिया सफेद ग्लास होता है जिसका उपयोग फिक्चर्स एवं टेबलवेयर में किया जाता है। यह ग्लास रोशनी का विकीर्णनकरता है जिससे ओपल ग्लासवेयर आकर्षक लगते हैं। "ओपल ग्लासवेयर के विनिर्माण के लिए ओपल ग्लास के उत्पादन हेतु सेंड/क्वार्टज, लाइम, डोलोमाइट, द्रेना, आर्थोक्लास, बोरेक्स, एल्बाइट का उपयोग किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद का उपयोग चाय, कॉफी, सूप तथा अल्पाहार सहित सामान्य खाद्य सामग्री परोसने के लिए किया जाता है।

5. ओपल ग्लासवेयर को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अंतर्गत सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 7013 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं।

7. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ उत्पाद के उपर्युक्त विवरण को विचाराधीन उत्पाद माना है।

ग. समान वस्तु

8. समान वस्तु के संबंध में, पाटनरोधी नियम के नियम 2(घ) में निम्नानुसार प्रावधान किया गया है:-

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो।

9. आवेदक ने दावा किया है कि आवेदक के उत्पाद तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है तथा दोनों ही उत्पाद वास्तविक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे मानदण्डों के संदर्भ में तुलनीय है। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं तथा संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं के बीच कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है तथा दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। उपयोक्ता दोनों ही उत्पादों को अदल-बदल कर प्रयोग में लाते हैं।

10. किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई विरोध प्रकट नहीं किया है।

11. प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं वास्तविक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे मानदण्डों के संदर्भ में संबद्ध देशों से आयातित उत्पादों के समान उत्पाद हैं।

घ. घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र एवं स्थिति

12. पाटनरोधी नियमों, के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के नियर्तकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं

उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

13. यह आवेदन घरेलू उद्योग के रूप में ₹० ला ओपाला आर जी लि० द्वारा दायर किया गया है।

उपलब्ध कराए गए साक्ष के अनुसार आवेदक संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है और ओपल ग्लासवेयर के कुल भारतीय उत्पादन में उसका प्रमुख हिस्सा है। अतः याचिकाकर्ता नियमों के अंतर्गत अपेक्षा को पूरा करते हैं और नियम २(ख) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

ड. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

ड.१ चीन जन.गण. के निर्यातकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार

14. जांच शुरू करते समय प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ नियमों के अनुबंध-१ के पैरा ८(२) के अनुसार चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए कार्यवाही शुरू की थी। जांच करते समय प्राधिकारी ने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना का उत्तर देने और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण के लिए संगत सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी थी।

15. प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध-१ के पैरा ८(३) में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान का खण्डन करने के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों को एमईटी प्रस्तावली की प्रतियां भेजी थीं। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. की सरकार से अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देने का भी अनुरोध किया था।

16. ₹० वैंडौऊ हुईशुंदा इंडस्ट्रियल ट्रेड कं.लि., चीन जन.गण. ने एमईटी प्रस्तावली का उत्तर दिया है। निर्यातक द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :—

निर्यातक द्वारा किए गए निवेदन

17.(क) वर्ष 1996 में स्थापित कम्पनी हुईशुंदा शुरू से ही एक निजी स्वामित्व तथा सीमित दायित्व वाली कम्पनी है। कम्पनी के शेयर धारकों में तीन निजी व्यक्ति शामिल हैं। कम्पनी की कोई भी मूल कम्पनी अथवा उससे संबद्ध सहायक कम्पनियां नहीं हैं।

(ख) हुई शुंदा एक सीमित दायित्व वाली कम्पनी है जो चीन जनवादी गणराज्य के कम्पनी कानून के अनुसार स्थापित की गई है और बाजार नियमों के अनुसार अपना प्रचालन करती है; हुईशुंदा तथा राष्ट्रीय प्रांतीय एवं स्थानीय सरकारों एवं इन सरकारों के मंत्रालयों अथवा कार्यालयों के बीच कोई संबंध नहीं है।

(ग) हुईशुंदा स्वतंत्र रूप से संबद्ध पर्यवर्ती वस्तु का उत्पादन करता है एवं भारत को उसका निर्यात करता है। संबद्ध पर्यवर्ती वस्तु के अन्य उत्पादकों अथवा निर्यातकों के साथ हुईशुंदा का कोई संबंध नहीं है।

(घ) हुईशुंदा संबद्ध पर्यवर्तु के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों पर मालिकाना अधिकार नहीं रखता है अथवा उनको नियंत्रित नहीं करता है ।

(ड.) व्यापार लाइसेंस में प्रचालन संबंधी एक शर्त निहित है जिसके अनुसार व्यापार लाइसेंस की वैधता अवधि के समाप्त होने के पश्चात यदि शेयरधारक अनुबंध की अवधि को बढ़ाना चाहते हैं तो वे वैधता अवधि के समाप्त होने के छह माह पूर्व अनुमोदन प्राधिकारी को आवेदन करेंगे और संबद्ध प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन प्रदान किए जाने के पश्चात व्यापार लाइसेंस का नवीकरण किया जाएगा ।

(च) भारत अथवा अन्य देशों को पर्यवर्तु के निर्यातों पर इसका कोई नियंत्रण नहीं है ।

(छ) निर्यात प्रावधान अथवा निर्यात लाइसेंसिंग के संबंध में संबद्ध वर्तु, किसी भी सरकारी सूची में मौजूद नहीं है ।

(ज) उत्पादों के विकास का कार्य कम्पनी के तकनीकी एवं अनुसंधान विभाग द्वारा स्वतंत्र रूप से किया जाता है । बिक्री विभाग द्वारा उत्पाद की बिक्री का ऑर्डर स्वीकार किए जाने के पश्चात, उत्पादन विभाग, कम्पनी में संगत विभाग को विनिर्माण योजना के बारे में दिशा-निर्देश देगा ।

(झ) हुईशुंदा आपूर्तिकर्ताओं के साथ मोल-भाव करने के पश्चात मुक्त बाजार से कच्ची सामग्री की खरीद करता है और प्रमुख निविस्तियों की कीमतों का निर्धारण बाजार मूल्य के अनुसार किया जाता है ।

(ञ) हुईशुंदा भारत एवं घरेलू बाजार दोनों में वितरकों को उत्पाद की बिक्री करता है । कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ता, घरेलू अथवा निर्यात ग्राहकों के साथ कम्पनी का किसी प्रकार का अनन्य संबंध अथवा संबद्धता नहीं है ।

(ट) संस्था अंतर्नियमों के अनुसार महाप्रबंधक की नियुक्ति कार्यकारी निदेशक द्वारा की जाती है । अन्य वरिष्ठ प्रबंधकों की नियुक्ति महाप्रबंधक द्वारा की जाती है । निदेशकों/प्रबंधकों की नियुक्ति के विषय में किसी सरकारी प्राधिकरण को अधिसूचित करने की आवश्यकता नहीं होती है ।

याचिकाकर्ता के निवेदन

18. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि निम्नलिखित तथ्यों के मद्देनजर चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश क्यों नहीं माना जाना चाहिए:-

- (i) एमईटी प्रश्नावली में विभिन्न प्रश्नों के उत्तर अत्यंत गूढ़ तथा अपर्याप्त हैं ।
- (ii) प्रश्न 2घ के उत्तर में शेयर धारकों की सूची के संबंध में कम्पनी द्वारा कहा गया है कि कम्पनी के तीन शेयर धारकों में से दो निजी व्यक्ति हैं । तीसरे शेयर धारक की स्थिति प्रकट नहीं की गई है और इसका कारण भी प्रस्तुत नहीं किया गया है ।
- (iii) प्रश्न सं. 2ज में यह कहा गया है कि कम्पनी का कोई निदेशक मण्डल नहीं है । चीन के कम्पनी कानून के तहत गठित कम्पनी का निदेशक मण्डल कैसे मौजूद नहीं है जबकि कानून

के तहत कम्पनी के गठन के लिए यह एक अनिवार्य अपेक्षा है। इस आधार पर, एमईटी प्रदान नहीं किया जाना चाहिए।

- (iv) प्रश्न सं.5 (छ) के उत्तर में यह कहा गया है कि वर्तमान वर्ष में कर लाभ के पश्चात हुईशुंदा कम्पनी के संवैधानिक आरक्षित निधि के रूप में लाभ का 10% तथा संवैधानिक कल्याण निधि हेतु 5-10% प्राप्त करता है। यदि संवैधानिक आरक्षित निधि पूर्ववर्ती वर्ष में कम्पनी को हुई हानि को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो वर्तमान वर्ष के लाभ को संवैधानिक आरक्षित एवं कल्याण निधि हेतु आवंटित करने से पूर्व ऐसी हानियों की कवर करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। क्या निधि का यह आवंटन तथा पुनार्वंटन चीन के जीएपी के अनुरूप है जैसाकि कम्पनी द्वारा दावा किया जा रहा है?
- (v) प्रश्न सं. 5(ज) के उत्तर में यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि उन्हें निर्यात बिक्री में घाटा हुआ है परंतु इसका कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया गया है। आगे पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की हानियों की क्षतिपूर्ति होने पर कम्पनी लाभों का वितरण करेगी। अतः एमईटी प्रदान नहीं किया जाना चाहिए।
- (vi) हुईशुंदा द्वारा अधिप्राप्त मशीनरी एवं अन्य चालत परिसंपत्तियों के नोट के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है।
- (vii) एमईटी के संबंध में अपूर्ण उत्तर के मद्देनजर, उनके एमईटी दावों को खारिज किया जाना चाहिए।

ख.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी ने इंगित किया था कि आवेदक ने नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निहित प्रावधानों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का दावा किया है। चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को सामान्य मूल्य के पूर्वानुमान का खण्डन करने के लिए अक्सर भी प्रदान किया गया था।

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनसेधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार यदि चीन जन.गण. के निर्यातिक (निर्यातकों) द्वारा निम्नानुसार सूधीबद्ध पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराया जाए और उसके विपरीत तथ्यों को स्थापित किया जाए तो उस स्थिति में गैर बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में पूर्वानुमानों का खण्डन किया जा सकता है।

(क) कीमत, कच्ची सामग्री सहित लागत एवं निविष्टियां, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश के संबंध में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों के निर्णय, इस संबंध में राज्य के किसी उल्लेखनीय हस्तक्षेप के बिना तथा इस पर ध्यान न देते हुए कि प्रमुख निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रतिबिंबित कर रही है या नहीं, आपूर्ति एवं मांग को दर्शाते हुए बाजार संकेतकों के अनुसार लिए जाते हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली विशेष रूप से परिसंपत्तियों के अवमूल्यन, अन्य बट्टे-खाते, विनिमय व्यापार तथा ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में पहले से चली आ रही बड़ी विसंगतियों के अध्यधीन होती हैं;

(ग) ऐसी कंपनियाँ दिवालियापन तथा संपत्ति संबंधी विधानों के अध्यधीन होती हैं जो उनके प्रचालन के लिए कानूनी सुनिश्चितता एवं स्थिरता का जिम्मा लेते हैं ।

(घ) विनिमय दर संबंधी अंतरण बाजार दर के अनुसार किए जाते हैं ।

21. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वेनज़ोऊ ह्यूईशंदा इंड. कं. लि. को छोड़कर चीन के किसी अन्य निर्यातक ने न तो बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली सहित निर्यात प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और न ही गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खण्डन किया है । वेनज़ोऊ ह्यूईशंदा इंड. कं. लि. ने निर्यातक प्रश्नावली के साथ-साथ बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है जिसकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है ।

22. वेनज़ोऊ ह्यूईशंदा इंड. कं. लि. के एमईटी प्रश्नावली के उत्तर की जांच के पश्चात प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं : -

(क) निर्यातक ने यह दावा किया है कि कंपनी में निदेशक मंडल नहीं है । निदेशक मंडल की अनुपस्थिति में प्राधिकारी यह निर्धारित करने की स्थिति में नहीं है कि आपूर्ति एवं मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के अनुसार और इस संबंध में किसी विशेष सरकारी हस्तक्षेप के बिना कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश सहित कीमतों, लागतों और निविष्टियों के संबंध में व्यापारिक निर्णय किस प्रकार लिए जाएँ ।

(ख) निर्यातक ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतें किस प्रकार बाजार मूल्यों को प्रतिबिम्बित करती हैं ।

23. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने कंपनी को इस चरण में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा न देने का निर्णय लिया है । इस मामले में अंतिम निर्णय प्राधिकारी द्वारा एमईटी प्रश्नावली के उत्तर में ह्यूईशंदा द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच के पश्चात लिया जाएगा । इन परिस्थितियों में चीन जन. गण. में सभी उत्पादकों/निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों को अपनाया है ।

2.3 चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अपनाई गई कार्य पद्धति

24. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नानुसार प्रावधान है :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा

जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहाँ उचित हो उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

25. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित मूल्य हेतु संगत सूचना प्रस्तुत नहीं की है क्योंकि वह उपलब्ध नहीं है । प्रचलित प्रथा के अनुसार प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण की वैकल्पिक पद्धतियों से संबंधित संगत सूचना के अभाव में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के मामले में सामान्य मूल्य के परिकलन का सहारा लिया है । तदनुसार, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में सभी उत्पादकों हेतु निम्नलिखित आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है :-

(क) बोरेक्स, बोरिक एसिड, सोडा ऐश जैसी प्रमुख निविष्टियों की कीमतों का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय कीमतों अर्थात् वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार चीन को वैशिक निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है ।

(ख) प्रति इकाई के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री की खपत का निर्धारण घरेलू उद्योग के उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है ।

(ग) परिवर्तन लागतों का निर्धारण घरेलू उद्योग के उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है ।

(घ) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों (ब्याज लागतों सहित) का परिकलन घरेलू उद्योग के उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है ।

(ङ.) लाभ को कारखाना द्वार लागत के 5% की दर से जोड़ा गया है जिसमें ब्याज को शामिल नहीं किया गया है ।

तदनुसार, चीन जन. गण. के सभी निर्यातकों के लिए ओपल ग्लास वेयर के सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम. डॉलर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है ।

यूरोप में सामान्य मूल्य

26. प्राधिकारी ने यूरोप में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्धारित प्रपत्र में एवं निर्धारित ढंग से अपने उत्तर प्राधिकारी को प्रेषित करने की सलाह देते हुए एक पत्र भेजा था । यूरोप के ज्ञात निर्यातकों को प्रेषित इस पत्र की एक प्रति यूरोप की सरकार को भी भेजी गई थी । तथापि, यूरोप में इस उत्पाद के किसी भी उत्पादक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिय है ।

इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। घरेलू उद्योग ने यह सूचित किया है कि उन्होंने यूएई के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमतों के बारे में सूचना/साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया था। घरेलू उद्योग यूएई के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमतों से संबंधित सूचना/साक्ष्य जुटाने में असमर्थ रहा है। घरेलू उद्योग ने आगे यह भी सूचित किया था कि यूएई में इस उत्पाद के सीमित उत्पादक (याचिकाकर्ता को केवल एक के संबंध में जानकारी प्राप्त है) हैं जो इस उत्पाद की बिक्री सौदा-दर-सौदा कीमत निर्धारण के आधार पर करते हैं। बाजार में वास्तविक खुदरा बिक्री कीमत समुचित नहीं होगी जिसके परिणामस्वरूप पाटन मार्जिन और अधिक होगा। अतः प्राधिकारी ने यूएई में उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन निम्नलिखित आधार पर किया है :

क) बोरेक्स, बोरिक एसिड, सोडा ऐश जैसी प्रमुख निविष्टियों की कीमतों का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय कीमतों अर्थात् वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार चीन को वैश्विक निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है क्योंकि संगत अवधि के लिए यूएई के संबंध में यह सूचना उपलब्ध नहीं है।

ख) प्रति इकाई के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री की खपत का निर्धारण घरेलू उद्योग के उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

(ग) परिवर्तन लागतों का निर्धारण घरेलू उद्योग के उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

(घ) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों (ब्याज लागतों सहित) का परिकलन घरेलू उद्योग के उत्पादक की सूचना/आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

(ङ.) लाभ को कारखाना द्वारा लागत के 5% की दर से जोड़ा गया है जिसमें ब्याज को शामिल नहीं किया गया है।

तदनुसार, यूएई के सभी निर्यातकों के लिए ओपल ग्लास वेयर के सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम. डॉलर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

I) चीन जन. गण. में निर्यात कीमत

च.1 मै. वेनझोऊ व्यूईशंदा इंड. कं. लि., चीन जन. गण.

27. मै. व्यूईशंदा, चीन ने निर्धारित प्रपत्र एवं ढंग से दिए गए निर्यातक प्रश्नावली के अपने उत्तर में भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदा-वार सूचना प्रस्तुत की है। कंपनी ने जाँच अवधि के दौरान *** अम. डॉलर मूल्य (बीजक मूल्य) अर्थात् *** अम. डॉलर/कि.ग्रा. की दर से भारत को *** कि.ग्रा. संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को ये निर्यात बिक्री एफओबी आधार पर की गई है। निर्यातक द्वारा पत्तन प्रभार, बैंक प्रभार, ऋण लागत, वैट (एफओबी पूर्वी), समुद्री भाड़ा और समुद्री बीमा (एफओबी उपरांत) के संबंध में समायोजनों का दावा किया गया है। इन मदों के संबंध में निर्यातक द्वारा किए गए कुल समायोजन का दावा *** अम.

डॉलर/कि.ग्रा. का है। प्रारंभिक परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को कंपनी की निर्यात कीमत और इस संबंध में किए गए समायोजनों जो जांच के अध्यधीन होंगे, को स्पष्टाकार किया गया है। अतः वेनज़ोला ह्यूर्झिशंदा इंड. कं. लि., चीन जन. गण. के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत अर्थात् निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण *** अम. डॉ./कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

असहयोगी निर्यातक

28. अवशिष्ट श्रेणी में चीन जन. गण. के निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस स्रोत से प्राप्त *** अम. डॉलर/कि.ग्रा. (सीआईएफ) की निर्यात कीमत पर विचार किया है। सहयोगी निर्यातकों के दावे के अनुसार पत्तन प्रभार, बैंक प्रभार, ऋण लागत, वैट, समुद्री भाड़ा और समुद्री बीमा के संबंध में समायोजनों पर विचार किया गया है। अतः अनंतिम रूप से निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** अम. डॉलर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

यूएई में निर्यात कीमत

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई के किसी निर्यातक और भारत में संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक ने निर्यात कीमत के ब्यौरों के संबंध में अपेक्षित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी ने यूएई के सभी निर्यातकों के लिए डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के आधार पर *** अम. डॉ./कि.ग्रा. की निर्यात कीमत (सीआईएफ) को अपनाया है। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार निवल निर्यात कीमत के परिकलन के लिए प्राधिकारी द्वारा भाड़े, बीमा, कमीशन, पत्तन व्यय, अंतर्देशीय भाड़ा एवं बैंक प्रभार के संबंध में *** अम. डॉ./कि.ग्रा. के समायोजनों पर विचार किया गया है। इस प्रकार, कारखाना द्वार स्तर पर अनंतिम रूप से निर्यात कीमत का निर्धारण *** अम. डॉ./कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

पाटन मार्जिन

30. पाटन मार्जिन के निर्धारण से संबंधित नियमों में निम्नानुसार प्रावधान किया गया है :

“पाटन मार्जिन की गणना के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच समुचित तुलना करेंगे। यह तुलना सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर, व्यापार के समान स्तर पर और जहाँ तक संभव हो, एक ही समय में की गई बिक्रियों के संदर्भ में की जाएगी। प्रत्येक मामले में उसके गुण-दोषों के आधार पर ऐसे सभी अंतरालों के लिए उचित छूट दी जाएगी जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करते हैं। ऐसे अंतरालों में बिक्री की शर्तों एवं निबंधनों में अंतर, कराधान, व्यापार स्तर, मात्रा, भौतिक विशेषताएँ शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करते हैं।”

31. कारखाना द्वार स्तर पर ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना के आधार पर संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अनंतिम पाटन मार्जिन का परिकलन निम्नानुसार किया गया है : -

देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य अम. डॉ./ कि.ग्रा.	निर्यात कीमत अम. डॉ./ कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन (%)
चीन गण.	मै. वेनझोऊ ट्यूईशंदा इंड. कं. लि. (उत्पादक)				50-55
	मै. वेनझोऊ ट्यूईशंदा इंड. कं. लि. (निर्यातक)				
	अन्य सभी समूह				70-75
यूरेझ	सभी उत्पादक/ निर्यातक				40-45

छ. घरेलू उद्योग को क्षति

32. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ (iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों के संबंध में एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हों तो निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित निर्धारित किए जाने की स्थिति में ऐसे पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन किया जाएगा :

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है, और

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

33. इस संबंध में निम्नलिखित बिन्दु संगत हैं :

(क) संबद्ध देशों में से प्रत्येक से पाटन का मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमा से अधिक है;

(ख) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन समुचित है क्योंकि संबद्ध देशों द्वारा निर्यातित वस्तु भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं जैसा कि निम्नलिखित सूचना से स्पष्ट है :

क. संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद के गुणधर्म परस्पर तुलनीय हैं। दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त वस्तुएँ परस्पर समान वस्तुएँ हैं।

ख. आयातित एवं घरेलू सामग्रियों का इस्तेमाल परस्पर एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा है।

ग. संबद्ध देशों से आयातित ऐसी सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। इससे विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा का स्पष्ट संकेत मिलता है।

घ. संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने एक ही अवधि में समान उपभोक्ताओं को समान उत्पाद की बिक्री की है। याचिकाकर्ता और संबद्ध देशों के निर्यातक अपने उत्पादों की बिक्री सीधे करने के साथ-साथ अपने-अपने एजेंटों के जरिए भी उनकी बिक्री करते रहे हैं। बिक्री के माध्यम परस्पर तुलनीय हैं।

ड. संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयातों की मात्रा अत्यधिक है।

च. घरेलू उत्पादक और संबद्ध देशों के निर्यातक एक ही श्रेणी के उपभोक्ताओं को समान उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं और दोनों ही समान बाजार में परस्पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों उत्पादों का इस्तेमाल परस्पर अदल-बदल कर किया जा रहा है।

34. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर चीन जन. गण. और यूएई से आयातित संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना समुचित है।

35. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।”

36. जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार प्रावधान किया गया है ।

“ संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा । ”

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा और पाटन का मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमा से अधिक हैं । आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों की निर्यात कीमतें भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों से प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रही थी ।

38. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार उद्योग की स्थिति पर उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर विचार किया है ।

क. आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

39. नीचे दी गई तालिका में भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों की स्थिति दर्शाई गई है :

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
चीन जन. गण. से आयात	मी. टन	174	723	850	1,975
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	416	489	1135
यूएई से आयात	मी. टन	871	1,157	464	584
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	53	67
अन्य देश	मी. टन	523	753	146	152
आयात में बाजार हिस्सा-चीन	%	11.11	27.45	58.24	72.86
आयात में बाजार हिस्सा-यूएई	%	55.53	43.94	31.77	21.54
आयात में बाजार हिस्सा-अन्य देश	%	33.36	28.61	9.99	5.60

40. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि :

- क. क्षति अवधि के दौरान चीन जन. गण. से पाटित आयातों की मात्रा में सापेक्ष रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है;
- ख. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान यूएई से पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट आई थी ।

ग. कुल आयातों में चीन जन. गण. तथा यूएई के आयातों का प्रमुख हिस्सा है। क्षति अवधि के दौरान जहाँ आयातों में संबद्ध देशों के हिस्से में वृद्धि हुई थी वहीं दूसरी ओर अन्य देशों के हिस्से में गिरावट आई थी।

माँग एवं बाजार हिस्सा

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
घरेलू उद्योग की बिक्री (घरेलू)	मी. टन	2,367	2,456	2,573	3,390
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	109	143
संबद्ध देशों से भारत में आयात	मी. टन	1,045	1,879	1,314	2,559
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	180	126	245
भारत में माँग	मी. टन	3,935	5,088	4,033	6,100
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	102	155
माँग में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	%	26.56	36.93	32.58	41.95
चीन जन. गण.	%	4.43	14.20	21.08	32.38
यूएई	%	22.13	22.73	11.50	9.57
अन्य देश	%	13.30	14.80	3.62	2.49
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	60.14	48.27	63.80	55.56

41. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि भारत में संबद्ध वस्तु की माँग में वर्ष 2008-09 के दौरान आई गिरावट को छोड़कर वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। तथापि, यह भी देखा जा सकता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत में उत्पाद की माँग की तुलना में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

ख. आयातों का कीमत प्रभाव

42. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अत्यधिक मात्रा में कीमतों का ह्रास करना या कीमतों में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा अत्यधिक मात्रा में हुआ होता। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभावों की जांच कीमत कटौती, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत निवल बिक्री आय (एनएसआर) और गैस-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत से की गई है। निवल बिक्री आय का परिकलन सभी छूटों और करों को घटाने के बाद किया गया था। आयातों के पहुँच मूल्य की गणना संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभाव और लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़ने के बाद की गई है। आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग

की निवल बिक्री आय से की गई थी और यह पाया गया था कि पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

कीमत कटौती

43. इस तथ्य की जाँच करने के लिए कि क्या आयातों के परिणामस्वरूप बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों की पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल लिक्री आय से की है। प्राधिकारी ने कर एवं शुल्क, बट्टा, छूट एवं कमीशन आदि को छोड़कर बिक्री कीमत को ध्यान में रखते हुए निवल बिक्री आय का निर्धारण किया है। घरेलू उद्योग की समग्र बिक्री मात्रा को इस परिकलन में शामिल किया गया है। आयातों की पहुँच कीमत का निर्धारण 1% लदान प्रभाव और लागू मूल सीमाशुल्क सहित भारित औसत सीआईएफ आयात कीमत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। निवल बिक्री आय तथा आयातों की पहुँच कीमत के बीच तुलना की गई थी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम हैं जिससे यह संकेत मिलता है कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती हुई है।

विवरण	इकाई	चीन जन. गण.				यूरोप			
		2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
पहुँच मूल्य	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***	***	***
घरेलू उद्योग का एनएसआर	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.			***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	55-60	40-45	15-20	20-25	5-10	30-35

यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग के बिक्री कीमत से बहुत दम है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती हुई है।

कीमत न्यूनीकरण/हास

44. इस बात का पता लगाने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण अथवा हास हो रहा है, प्राधिकारी ने इस बात का निर्धारण किया कि क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अत्यधिक मात्रा में कीमतों का न्यूनीकरण करना या कीमतों में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुआ होता। इस प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तु की आयात कीमतों की तुलना घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत की प्रवृत्तियों से की गई है।

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
1	बिक्री लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	119	137

2	बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	112	116

45. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है तथापि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि की तुलना में कम है जो कीमत न्यूनीकरण को दर्शाती है ।

ग. घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य आर्थिक मापदंड

46. नियमावली के अनुबंध-॥ में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पदकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । जहाँ तक ऐसे उत्पादकों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली में आगे यह उबंध है कि संबंधित घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभावों की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन बाजार हिस्सा, उत्पदकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में प्राकृतिक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों, नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा । घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदण्डों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :-

i. उत्पादन, घरेलू बिक्री तथा क्षमता उपयोग

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
मांग	मी. टन	3,935	5,088	4,033	6,100
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	102	155
संस्थापित क्षमता	मी. टन	3,500	4,019	7,000	7,000
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	200	200
उत्पादन	मी. टन	3,052	2,885	4,965	3,825
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	163	125
क्षमता उपयोग	%	87.20	71.78	70.92	54.64
घरेलू बिक्री	मी. टन	2367	2456	2573	3390
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	109	143

47. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पादन में घट-बढ़ होती रही है । आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन में वृद्धि हुई है । यद्यपि समग्र उत्पादन में आधार वर्ष से 25% और घरेलू बिक्री में इसी अवधि में 43 की वृद्धि प्रदर्शित हुई है तथापि आधार वर्ष की तुलना में बाजार में उत्पादन की मांग में 55% की वृद्धि हुई है । क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है । तथापि बिक्री में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से आनुपातिक रूप से कम रही है ।

ii. लाभप्रदता

48. घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि में पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच अवधि के दौरान इतनी अधिक गिरावट आई कि घरेलू उद्योग को अत्यधिक वित्तीय घाटा हो रहा था, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है :

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
बिक्री लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	119	137
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	112	116
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	73	-10
लाभ/हानि	रु. (लाख)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	80	-15

iii. रोजगार एवं मजदूरी

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	119	117
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	140	189

49. उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या और मजदूरी में भी वृद्धि हुई है।

iv. उत्पादकता

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	कि.ग्रा./ सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	137	107
प्रति दिवस उत्पादकता	कि.ग्रा./ दिवस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	163	125

50. उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

v. निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

51. निवेश पर आय का निर्धारण ब्याज पूर्व लाभ तथा उत्पाद के लिए लगाई गई पूंजी पर विचार करने के बाद किया गया है। नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण मूल्यहास से पूर्व तथा ब्याज लागत के बाद लाभ पर विचार करने के बाद किया गया है। यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में लगाई गई पूंजी पर आय में भारी गिरावट आई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है :

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
लाभ/हानि	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	80	(15)
प्रति इकाई लाभ	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
		100	113	73	-10
मूल्यहास	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	220	247	231
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	118	41
नकद लाभ प्रति इकाई	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	108	29
एनएफए आधार पर नियोजित पूंजी पर लाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	62	55	20

52. जांच अवधि में नकद लाभ में पर्याप्त तथा काफी अधिक गिरावट आई है। यह नोट किया जाता है कि मूल्य हास में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने इस अवधि में क्षमता बढ़ाई हि जिससे मूल्यहास हुआ है। तथापि, वर्ष 2007-08 के बाद मूल्यहास लगभग उसी सीमा में हुआ है जबकि घरेलू उद्योग के लाभ में तेजी से गिरावट आई है और जांच अवधि में उसे घाटा हुआ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि लाभ में गिरावट मूल्यहास व्यय में वृद्धि के कारण नहीं आई है।

vi. मालसूची

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
औसत स्टॉक	मी. टन	443	528	1,234	1,844
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	279	417
विक्री दिवसों के रूप में औसत मालसूची	मी. टन	71	63	205	155
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	288	218
घरेलू बिक्री	मी. टन	2,367	2,456	2,573	3,390
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	109	143

53. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपनी वस्तु की बिक्री करने में असमर्थ रहा है, इससे मालसूची में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है कि इसमें जांच अवधि में काफी अधिक वृद्धि हुई है। माल जमा हो जाने के कारण घरेलू उद्योग उत्पादन बंद करने के लिए बाध्य हुआ है जो इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि उत्पादन प्रक्रिया में उच्च तापमान पर भट्टी चलाना होता है और एक का उत्पादन बंद हो जाने से घरेलू उद्योग पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

vii. वृद्धि

54. क्षमता उपयोग, मालसूची एवं बाजार हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही थी जबकि उत्पादन एवं बिक्री के संबंध में यह सकारात्मक थी। तथापि घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान उत्पादन स्थगित करने के लिए बाध्य हुआ है। कीमत मापदण्डों अर्थात् लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय के संबंध में वृद्धि नकारात्मक रही है।

viii. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

55. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2007-08 में सितारगंज में एक नया संयंत्र स्थापित करर अपनी क्षमताएँ बढ़ाई हैं जिसके लिए निवेश किया गया है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि क्षमता वृद्धि को देश में उत्पाद की माँग में पर्याप्त वृद्धि के साथ देखना होगा।

ix. पाटन की मात्रा और पाटन मार्जिन

56. सहयोगी निर्यातक तथा असहयोगी निर्यातकों के संबंध में ऊपर निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से अधिक माना गया है।

घ. क्षति मापदण्डों के बारे में निष्कर्ष

57. अतः यह देखा जाता है कि

क) संबद्ध देशों से आयात में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। आयातों में वृद्धि अत्यधिक है।

ख) आयातों में वृद्धि भारत में आयात, भारत में उत्पादन तथा खपत में संबंध में हुई है।

ग) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है।

घ) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत भी बढ़ी है। बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि से कम रही थी। अतः पाटित आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण हुआ है।

ङ.) क्षति अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई थी तथापि बिक्री में वृद्धि मांग में वृद्धि से कम हुई थी और घरेलू उद्योग के पास भारी मात्रा में माल जमा हो गया था।

च) घरेलू उद्योग ने क्षमता वृद्धि की जो देश में उत्पाद की वर्तमान तथा संभावित मांग में वृद्धि के अनुरूप प्रतीत होती है। क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग घटा है।

छ) पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

ज) घरेलू उद्योग की लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ में भारी गिरावट आई है। लाभ में गिरावट के अन्य संभावित कारकों की जांच से यह पता नहीं चलता है कि लाभ में गिरावट प्रारंभिक रूप से अन्य कारकों के कारण आई है।

झ) घरेलू उद्योग की मालसूची में अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने भारी वित्तीय घाटे पर माल को निपटाने के लिए निर्यात किया तथा उत्पादन रोक दिया।

झ) भारी मांग के बावजूद घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदण्डों में गिरावट आई।

ट) क्षति के एक मापदण्ड के रूप में पाटन मार्जिन अत्यधिक है।

ठ) रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता से पाटन के प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है। तथापि अन्य प्रमुख मापदण्डों में गिरावट से इन मापदण्डों में सुधार निष्प्रभावी हो जाता है।

58. अतः प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

कारणात्मक संबंध

क्षति के अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

59. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक तथा कीमत प्रभाव के संबंध में वास्तविक क्षति की भौजूदगी, उसके कीमत कटौती तथा कीमत हासकारी प्रभाव तथा पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य प्रमुख मापदण्डों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच करने के बाद प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या पाटित आयातों से इतर अन्य कारक से भी घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तदनुसार, निम्नलिखित मापदण्डों की जांच की गई है : -

क) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमत

तीसरे देशों से संबद्ध वस्तु के आयात में गिरावट आई है। इसके अलावा, तीसरे देशों से आयात कीमत संबद्ध देशों से आयात कीमत से काफी अधिक है।

ख) माँग में कमी

आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की माँग में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण देश में माँग में कमी को नहीं माना जा सकता।

ग) खपत की पद्धति में परिवर्तन

खपत संबंधी आंकड़ों से यह पता नहीं चलता है कि उत्पाद की खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन आया है।

घ) प्रौद्योगिकी का विकास

किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में ऐसे किसी खास परिवर्तन का साक्ष्य नहीं दिया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

ङ.) विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है। आवेदक संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है और उसका उत्पादन तथा बिक्री में बड़ा हिस्सा है। किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रतिस्पर्धा की स्थिति में अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों का कोई अन्य साक्ष्य प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है।

च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में घाटा हुआ है। तथापि, घरेलू बिक्री में हुए घाटे को क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अलग रखा गया है और निर्यात से जुड़े घाटे पर विचार किए बिना भी क्षति की पुष्टि होती है।

छ) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

यद्यपि उत्पादकता में वर्ष 2008-09 तक वृद्धि हुई है तथापि उत्पादन में भारी गिरावट के कारण वर्ष 2009-10 में गिरावट आई है। तथापि, क्षति अवधि के दौरान समग्र उत्पादकता लगभग समान स्तर पर रही है। यद्यपि वर्ष 2006-07 तथा 2007-08 में उत्पादकता जांच अवधि से तुलनीय थी तथापि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट आई।

60. उपर्युक्त कारणेतर विश्लेषण से यह पता चलता है कि किसी अन्य ज्ञात कारक से घरेलू उद्योग को क्षति प्रतीत नहीं होती है।

कारणात्मक संबंध को दर्शाने वाले कारक

61. यद्यपि उपर्युक्त मापदण्डों से इस बात की पुष्टि होती है कि घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों की वजह से नहीं हुई है तथापि यह नोट किया जा सकता है कि निम्नलिखित मापदण्डों से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है :

(i) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत कीमतों और संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत कीमतों में भारी अंतर है। परिणामतः घरेलू उद्योग ने बिक्री अवसर तथा बाजार हिस्सा गंवाया। अतः बाजार हिस्से में गिरावट और बिक्री अवसर प्रत्यक्षतः संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई हैं।

(ii) पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है। परिणामतः घरेलू उद्योग कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ है।

(iii) लाभ, लगाई गई पूँजी पर आय तथा नकद लाभ में गिरावट प्रत्यक्षतः पाटित आयातों के कारण आई है।

(iv) आयातों में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है। मालसूची में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग काफी समय तक उत्पादन रोकने के लिए बाध्य हुआ था। देश में भारी मांग होने के बावजूद घरेलू उद्योग का उत्पादन बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बंद हुआ था।

(v) संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।

(vi) घरेलू उद्योग कई मापदण्डों के संबंध में नकारात्मक बन गया।

62. अतः यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

63. प्राधिकारी ने नियमों में निर्धारित सिद्धान्तों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। यह क्षति मार्जिन निमानुसार बनता है :

क्षति मार्जिन दर्शाने वाली तालिका

देश	उत्पादक/निर्यातक	क्षतिरहित कीमत अम.डॉ./कि. ग्रा.	पहुँच मूल्य अम.डॉ./कि.ग्रा.	क्षति मार्जिन अम.डॉ./कि. ग्रा.
चीन जन. गण.	मै. वेनझोऊ ह्यूईशंदा इंड. ड्रेड कं. लि. (उत्पादक)	***	***	***
	मै. वेनझोऊ ह्यूईशंदा इंड. ड्रेड कं. लि. (निर्यातक)			
	अन्य सभी संयोजन	***	***	***
यूरेझ	सभी उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***

64. अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन अत्यधिक माना जाता है ।

अ. निष्कर्ष

65. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
- संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है ।
- क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है ।

भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में एक ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

67. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों का लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का हास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

ट. सिफारिश

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी। निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू और सम्पन्न कर तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के बाद, प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है।

शुल्क तालिका

69. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों में मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

1	2	3	4	5	6	7
क्र. सं.	ट्रैकिं शीर्ष	वस्तु विवरण	देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि (अम.डॉ/ कि.ग्रा.)
1	7013	ओपल ग्लासवेयर	चीन जन. गण.	मै. वेनझोऊ ह्यूईशंदा इंड.	मै. वेनझोऊ ह्यूईशंदा इंड.	0.82
				ट्रेड कं. लि.	ट्रेड कं. लि.	
2	7013	-वही-		उत्पादक/निर्यातक का कोई अन्य संयोजन		0.98
3	7013	-वही-	यूरोप	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	0.68

ठ. आगे की प्रक्रिया

70. प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा।

(ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदक तथा संबंधित समझे गए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो इन जांच परिणामों के प्रेषण भी तारीख से चालीस दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।

(ग) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को सुनने के लिए प्राधिकारी एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करेंगे ।

(घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे ।

(ङ.) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व पाटनरोधी नियमों के अनुसार आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे ।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June, 2011

PRELIMINARY FINDINGS

Subject:- Preliminary Findings of Anti-Dumping Investigation concerning imports of 'Opal Glassware' originating in or exported from China PR and UAE.

No.14/24/2010-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the AD Rules);

A. PROCEDURE

1. The procedure described herein below has been followed:
 - i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from La Opala RG Limited on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Opal Glassware' (hereinafter also referred to as the subject goods); originating in or exported from China PR and UAE(hereinafter also referred to as the subject countries).
 - ii. The Authority notified the High Commissions/Embassies of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 1995;
 - iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry issued a public notice dated 26th August 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of 'Opal Glassware' originating in or exported from subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

- iv. The Designated Authority sent a copy of initiation notification dated 26th August 2010, to the High Commissions/Embassies of the subject countries in India, known exporters from subject countries, known importers/ users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days from the initiation notification.
- v. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the High Commissions/ Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3).
- vi. The High Commissions/Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- vii. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - a. Arc International Middle East, East LLC, UAE.
 - b. Shanghai Family Industrial Development Co. Ltd., China PR
 - c. Wenzhou Huishunda Industrial Co. Ltd., China PR
 - d. Sanynam CeramicsLtd., China PR
 - e. Shenzhen Guanagtong Co. Ltd., China PR
 - f. Xianning Huimeida Industry & Trade Co. Ltd., China PR
 - g. Shaoxing Jielong Glassware Co. Ltd., China PR
 - h. Anhui Deli Glassware Co. Ltd., China PR
 - i. Yiwu City Longfei Imports and Exports Co. Ltd., China PR
 - j. Wenzhou Cathylin International Trade Co. Ltd., China PR
 - k. Anhui Sunhere, China PR
 - l. Zhejiang Chengtai, China PR
 - m. M/s Whole Wealth Limited, China PR
- viii. In response to the above notification, following exporter has responded:
 - a. Wenzhou Huishunda Industrial Co. Ltd., China PR
- ix. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - a. Talwar Agencies Pvt Ltd., New Delhi
 - b. Home Maker Enterprises Pvt Ltd., New Delhi;
 - c. Taneja Crockery Pvt Ltd. New Delhi;
 - d. Chiraj Appliances Pvt Ltd. Kolkata;
 - e. Paras International New Delhi;
 - f. Baron Agencies Pvt. Ltd. Kolkata;

- g. Aditya Promoters Ltd. New Delhi;
- h. Seven Seas Corporation, Thane, Maharashtra;
- i. Laxmi Crockery Pune Pvt. Ltd., Pune, Maharashtra;
- j. Vishal Retail Ltd., New Delhi;
- k. Siddharth Enterprises, Baruch, Gujarat;
- l. Merge Enterprises, Mumbai, Maharashtra;
- m. Raj Agencies, Pune, Maharashtra;
- n. Hamilton House wares Pvt. Ltd., Dadra;
- o. K.P. International, New Delhi;
- p. Trade Trekkers, New Delhi;
- q. W.K.C Glassware Pvt Ltd., New Delhi;
- r. Rudra International; New Delhi.
- x. In response to the above notification, none of the importers have responded.
- xi. The Authority had made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xii. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters/producers and Embassy of China PR in New Delhi. The Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicants in the light of paras 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of the Annexure of the AD Rules to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporters/producers from China PR.
- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation.
- xiv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xv. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2009 -31st March 2010 (Period of Investigation). The examination of trends, for the purpose of injury analysis, covered the periods 2006-07, 2007-08 and 2008-09 and the Period of Investigation.
- xvi. ***in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

Submissions made by Ministry of Economy, Government of UAE:-

2. The following submissions were made by the Ministry of Economy, UAE:-

- i) The advance intimation was received by UAE Embassy in New Delhi on 1.9.2010 and the case was initiated on 26.8.2010. This is inconsistent.
- ii) The product scope is very broad and a wide range of product types are covered in that. These individual products are not alike.

- iii) The request of the petitioner to examine the performance of two plants separately for the very peculiar facts of the present case will give a distorted picture of the domestic industry as it includes a new plant set up in September, 2007.
- iv) Exports made by UAE have not caused injury to the domestic industry as the UAE export prices were rising significantly over the injury period. It is, inter-alia, stated that average price of imports from other countries was lower and share of UAE imports in total imports has declined.
- v) The injury claimed by the petitioner is not supported by the figures presented in the petition. The complaint has not provided evidence of alleged material injury. On the other hand, the figures point to healthy domestic industry with increase in volume and volume of domestic sales, production capacity and decrease in stock.
- vi) The methodology used in the construction of normal value based on domestic industry's cost of production has been disputed.
- vii) The estimated landing charge of export is highly exaggerated. The alleged injury is attributable to factors other than imports and no causality is found.

Examination by Authority:-

3. The Authority has examined the above issues as under:-

- i) Advance Intimation letter to the Embassy of UAE in New Delhi was issued by e-mail on 23.8.2010 and the proceedings were initiated on 26.8.2010. Thus, the Government of UAE was notified prior to initiation of the investigation.
- ii) The Authority considers that the product under consideration in the present case is Opal Glassware which is produced and sold in different types. Different types of Opal Glassware constitute one product in terms of manufacturing process, production technology, raw materials and customs classification. While the use of different glassware types may be different, it does not render different types dislike articles. Different types of Opal Glassware products are sold in a 'set'. Different types of sets offer a wide variety of the product under consideration and the manufacturers can readily switch from one type of glassware to the other. The Authority thus holds that different types of glassware constitute one product. As regards fair comparison between normal value and export price, the Authority notes that none of the exporters nor producers from UAE has cooperated in the investigation. The Authority has considered the cost/price on the basis of weight rather than numbers/sets so as to obviate the problem posed by variety of sizes/types involved in the latter.
- iii) The Authority has carried out the injury assessment for the domestic industry as a whole and not plant-wise. The cost of production of new plant has not been considered in isolation for this purpose.
- iv) The Authority has undertaken a cumulative assessment of effects of imports from subject countries on the domestic industry. The Authority is required to do so under the Rules as the conditions specified in the Rules are met in the present case. The Government of UAE nor an exporter from UAE has contested the appropriateness of cumulative assessment of effects of imports in the present investigation.

- v) The various parameters of injury including relevant economic parameters have been duly examined by the Authority at appropriate places in the present findings.
- vi) The Authority notes that none of the producers from UAE has cooperated in the present investigation and provided requisite information relating to normal value in the prescribed form and manner. In the absence of evidence of normal value based on domestic selling price or actual cost of production of a manufacturer in UAE, the Authority has no option but to construct the normal value on the basis of best information available on record.
- vii) The Authority notes that no exporter from UAE has furnished exporters questionnaire response indicating export price. Therefore, the Authority has provisionally determined the export price for UAE as indicated in the relevant para of the present findings. The causal link has also been examined in the present findings.

B. Product under consideration

4. The product under consideration is Opal Glassware of all types. Opal Glass is a milky white glass, widely used in lighting fixtures and tableware. It has a property of diffusing light, which makes Opal Glassware attractive. Sand/ Quartz, Lime, Dolomite, Trona, Orthoclase, Borax, Albite are used to produce opal glass for manufacturing opal glassware. The product under consideration is used for general serving including serving of tea, coffee, soup, and snacks.

- 5. Opal Glassware is classified under Custom Sub Heading No. 7013 under the Custom Tariff Act, 1975. The classification is, however indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
- 6. The Authority notes that no other interested party has offered comments in regard to product under consideration.
- 7. The Authority holds the above stated description of the product as Product under Consideration for the purpose of present investigation.

C. Like article

- 8. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD rules provides as under:
"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.
- 9. The applicant has claimed that there is no known difference in applicant's product and subject goods imported from the subject countries and both are comparable in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those imported from the subject countries and both are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

10. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard.

11. The Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the same imported from the subject countries in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification.

D. Scope Of Domestic Industry and Standing

12. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those

whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only".

13. The application has been filed by M/s. La Opala RG Ltd. as domestic industry. As per evidence made available, the applicant is the major producer of the subject goods and accounts for major share of the total Indian production of Opal Glassware. Therefore, petitioner satisfies the requirement of standing under the Rules and constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

E. Normal value, Export price and Dumping Margin

E.1 Market Economy Treatment for Exporters from China PR

14. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption of China PR as a non-market economy country as per para 8(2) of Annexure1 of the Rules, for purposes of an anti dumping investigation. Upon initiation, the Authority advised the producers/Exporters in the country to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status.

15. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China PR to advise producers/exporters in their country to provide information.

16. M/S Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., China PR responded to the MET questionnaire. The following submissions have been made by the exporter:-

Submissions made by the Exporter

17. a) Huishunda is a privately owned limited liability company since its establishment in 1996. The shareholders of the Co. include three private person. There are no parent companies or subsidiaries of the CO. which are affiliated with the company.

b) Huishunda is a limited liability CO. which is established according to the Company Law of the People's Republic of China, and conducts its operation pursuant to the market rules; there isn't any relationship between Huishunda and the national provincial and local governments including ministries or offices of those governments.

c) Huishunda producers and exports the subject merchandise to India independently, the company has no relationship with other producers or exporters of the subject merchandise.

d) Huishunda does not own or control other producers/ exporters of the subject merchandise.

e) There is operating term in the business license, upon expiration of the business license, if the shareholders to extend the contract period, they shall apply to the approval authority six months ahead of the expiration and after approval of the pertinent authority, the business license will be renewed.

f) There is no control on exports of the subject merchandise to India or other countries.

g) The subject goods do not appear on any government list regarding export provisions or export licensing.

h) The development of products is conducted independently by Co.'s technical and research department. When the sales department accepts sales order of product, the production department will instruct manufacturing plan to relevant department in the Co.

i) Huishunda purchases raw material from the free market after negotiation with the suppliers and the prices of the major inputs are determined by the market value.

j) Huishunda sells products to the distributors both in India and domestic market. Te Co. doesn't have any exclusive relationship or affiliated relationship with raw material suppliers, domestic or export customers.

k) According to article of association, the general manager is appointed by the executive director. Other senior managers are appointed by general manager. There is no need to notify any governmental authorities about appointment of directors/ managers.

Submissions of the petitioner

18. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as Non market economic country in view of the following:-

(i) The response given to various questions in the MET questioner are very cryptic and insufficient.

- (ii) In response to Question 2 D, list of shareholders it has been stated by the company that out of three share holders of the company, two are private persons. The position of third shareholder has not been disclosed and the reason for the same has also not been provided.
- (iii) In response to Question No. 2 H, it has been state that the company has no board of directors. How can a company which is incorporated under the Chinese company law, will not have a board of Director when it is the mandatory requirement for incorporation of the company under the law? On this ground, the MET should not be granted.
- (iv) In response to Question No.5(g), it has been stated that Huishunda after tax profits of current year, it draws 10% of the profits as the Company's statutory reserve funds and 5-10% to its statutory welfare fund. IF the statutory reserve funds is not sufficient to cover the Company's loss from the previous year, the current year profit is used to cover such losses before allocation is made to the statutory reserve and welfare funds. Is this allocation and re-allocation of funds in consonance with the Chinese GAAP as is being claimed by the Company?
- (v) The answer to Question No.5(h) clearly indicate that they suffered loss on account of export sales but no reason for the same is provided. To add further, the Company distribute the profits unless the losses of previous fiscal years have been recovered. Hence, MET should not be granted.
- (vi) There is no information with regard to the source from which the machinery and other fixed assets were procured by Huishunda.
- (vii) In view of the incomplete MET response, their MET claims should be rejected.

E.2 Examination by the Authority

19. The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant claimed determination of Normal value on the basis of the provision contained in para 7 of Annexure I to the Rules. Opportunity was also provided to the known exporters of China PR to rebut the presumption of normal value.

20. The Authority notes that as per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8, listed below, and establish the facts to the contrary.

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in

- particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

21. The Authority notes, barring Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd. none of the Chinese exporters have submitted questionnaire responses including the market economy questionnaire response nor have sought to rebut the non-market economy presumption. Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd. has filed exporter's questionnaire response as well as market economy treatment response which has been examined by the Authority.

22. From the examination of Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd.'s MET questionnaire response, the Authority notes as under:-

- a) The exporter has claimed that the company does not have a Board of Directors. In the absence of a Board of Directors, the Authority is not in a position to determine as to how business decisions regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard.
- b) The exporter has not provided any evidence to show that the prices of major inputs substantially reflect market values.

23. In view of the above, the Authority has decided not to grant market economy status to the company at this stage. A final view in the matter will be taken by the Authority after verification of information submitted by Huishunda in the MET Questionnaire response. In the circumstances, the Authority proceeds with the provision of para 7 of Annexure-1 to the Rules for determination of normal value for all producers/exporters in China PR.

E.3 Methodology adopted for constructing Normal Value in case of China PR.

24. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides as follows

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the

aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

25. The Authority notes that the petitioner has not submitted the relevant information for constructed value in market economy third country as the same is not available. As per practice, the authority has resorted to constructed normal value in case of non market economy country in the absence of relevant information relating to alternative methods of determination of normal value. Accordingly, The Authority has constructed the normal value for all producers in China PR on the following basis: –

- (a) Prices of major input Borax, Boric Acid, Soda Ash have been considered on the basis of the international prices, i.e. World export price to China as per World Trade Atlas.
- (b) Consumption of raw materials per unit of production has been considered on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- (c) Conversion costs have been considered on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- (d) Selling, general & administrative costs (including interest costs) have been taken on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- (e) Profit has been added @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

Accordingly, the Normal Value of Opal Glassware for all exporters from China PR has been determined as at US\$ *** per kg.

Normal Value in UAE

26. The Authority wrote to the known producers/exporters of the product under consideration in UAE advising them to respond to the Authority in the form and manner prescribed. A copy of the communication sent to the known exporters in UAE was also sent to the Govt. of UAE. However, none of the producers of the product in UAE have responded to the Designated Authority. The Authority has therefore determined Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The domestic industry has stated that efforts were made by them to get information/evidence of price of subject goods in the domestic market of UAE. The domestic industry has not been able to get any information/evidence of price of subject goods in the domestic market of UAE. The domestic industry further stated that there are limited number of producers of the product in UAE (only one known to the petitioner), who sell the product more on transaction to transaction basis pricing. The actual retail sale price in the market would be significantly distorting and would lead to significantly higher dumping margin. Hence, Authority has constructed the normal value for the producers in UAE on the following basis –

- a) Prices of major input Borax, Boric Acid, Soda Ash have been considered on the basis of the international prices i.e. export prices of the world to India as per World Trade Atlas, as the same to UAE are not available for the relevant period.
- b) Consumption of raw materials per unit of production has been considered on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.

- c) Conversion costs have been considered on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- d) Selling, general & administrative costs (including interest costs) have been taken on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- e) Profit has been added @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

Accordingly, the Normal Value of Opal Glassware for all exporters from UAE has been determined as at US\$ *** per kg.

I) Export Price in China PR

F.1 M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., China PR

27. M/s. Huishunda, China in their response to exporter's questionnaire, has provided transaction-wise information relating to exports to India in the form and manner prescribed. The Company has exported *** kgs of subject goods to India during the POI of value US \$ *** (invoice value), i.e. US\$ ***/kg. The Authority notes that the export sales to India are on FOB basis. Adjustments have been claimed by the exporter on port charges, bank charges, credit cost, VAT (all before FOB), Overseas freight, and overseas insurance (after FOB). The total adjustment claimed by the exporter on these heads is US\$ ***/kg. The company's export price to India during the POI and the adjustments claimed thereon has been admitted by the Authority for the purpose of preliminary findings, subject to verification. Thus, the net export price i.e. export price at ex-factory level, for M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., China PR is provisionally determined at US\$ ***/kg.

Non-cooperative exporters

28. In respect of exporters of China PR in the residual category, the Authority has considered the export price of US\$ ***/kg (CIF) obtained from DGCI&S source. Adjustments have been considered on account of port charges, bank charges, credit cost, VAT, Overseas freight and overseas insurance, as claimed by the cooperative exporter. Thus, the net export price is provisionally determined as US\$ ***/kg.

Export price in UAE

29. The Authority notes that neither exporter from UAE nor any importer of subject goods in India has submitted the requisite Questionnaire response giving details of the export price. The Authority has adopted the export price (CIF) of US \$ ***/kg for all exporters of UAE based on DGCI&S data. Adjustments of US\$ ***/kg on freight, insurance, commission, port expenses, inland freight and bank charges, as claimed by the petitioner, have been considered by the Authority to arrive at the net export price. Thus, export price at ex-factory level is provisionally determined as US\$ ***/kg.

Dumping margin

30. The rules relating to determination of dumping margin provides as follows:-

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability"

31. On the basis of comparison of normal value and export price at ex-factory level as determined above, the dumping margin for the producers/exporters of the subject goods in the subject countries is provisionally worked out as under:-

Country	Producer/ Exporter	Normal Value USD/kg	Export price USD/kg	Dumping Margin	Dumping Margin (%)
China PR	M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., (producer)	***	***	***	50-55
	M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., (exporter)				
	All other combinations	***	***	***	70-75
UAE	All Producers/ Exporters	***	***	***	40-45

G.Injury to the domestic industry

32. Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subject to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such dumped imports, in case it determines that:

- (i) The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;

(ii) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

33. Following are relevant in this regard:

- (a) The margin of dumping from each of the subject countries is more than the limit prescribed above;
- (b) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market, as would be seen from the following information:
 - a. The product manufactured by the producers from the subject countries inter-se and in comparison to the product manufactured by domestic industry has comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are inter-se like articles.
 - b. Imported and domestic materials are being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product and imported product.
 - c. The landed values of such imported material from subject countries are below the selling price of domestic industry. This clearly establishes competition amongst Foreign Producers inter-se as also with Indian Producers.
 - d. The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the same product in the same periods to same customer. The petitioner has been selling the product directly as also through their agent and exporters from subject countries are exporting directly as also through their agent. The sales channels are comparable.
 - e. Volume of imports from each of the subject countries is significant.
 - f. Domestic producer and exporters from the subject countries sell the like product to the same category of customers and both are competing in the same market. Both are being used by the consumers interchangeably.

34. In view of the above, the Authority notes that it is appropriate to cumulatively assess the effects of imports of the subject goods from China PR and UAE on the domestically produced like article, in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

35. Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production

or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

36. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

37. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject countries were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

38. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on, the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

a. Volume effect of imports:

39. Table below shows the position in regard to imports of subject goods in to India:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Import from China PR	MT	174	723	850	1,975
Trend	Indexed	100	416	489	1135
Import from U A E	MT	871	1,157	464	584
Trend	Indexed	100	133	53	67
Other Countries	MT	523	753	146	152
Market Share in Imports-CHINA	%	11.11	27.45	58.24	72.86
Market Share in Imports-UAE	%	55.53	43.94	31.77	21.54
Market Share in Imports-Other Countries	%	33.36	28.61	9.99	5.60

40. From the above table, it is observed that :

- Volume of dumped imports from China PR has increased significantly in absolute terms over the injury period;

- b. Volume of dumped imports from UAE had declined during POI compared to the base year.
- c. The imports from China PR and UAE have a major share in total imports. While the share of subject countries in imports increased over the injury period that of other countries declined.

Demand and market share

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Sales (domestic) of Domestic industry	MT	2,367	2,456	2,573	3,390
Trend	Indexed	100	104	109	143
Imports in India from subject countries	MT	1,045	1,879	1,314	2,559
Trend	Indexed	100	180	126	245
Demand in India	MT	3,935	5,088	4,033	6,100
Trend	Indexed	100	129	102	155
Market Share in demand					
Subject Countries	%	26.56	36.93	32.58	41.95
China PR	%	4.43	14.20	21.08	32.38
U A E	%	22.13	22.73	11.50	9.57
Other Countries	%	13.30	14.80	3.62	2.49
Share of Domestic Industry	%	60.14	48.27	63.80	55.56

41. From the above, it is seen that demand for the subject goods in India has shown an increasing trend except decline during 2008-09. However, it is seen that the market share of subject countries in demand of the product in India has increased significantly and that of the domestic industry has declined In POI compared to the base year.

b. Price effect of imports

42. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries. The net sales realization was arrived after deducting all rebates and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry.

Price undercutting

43. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. Authority has determined net sales realization considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions. Entire sales volumes of the domestic industry have been included in the calculations. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. The comparison was done between net sales realization and landed price of imports. The Authority notes that the landed prices of the subject goods are significantly below the selling price of the domestic industry which suggests significant price undercutting being caused by the dumped imports.

		China PR				UAE			
Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Landed Value	Rs./ Kg	***	***	***	***	***	***	***	***
NSR of the Domestic Industry	Rs/ Kg	***	***	***	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./ Kg	***	***	***	***	***	***	***	***
Price Undercutting %		45-55	55-60	55-60	40-45	15-20	20-25	5-10	30-35

It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.

Price suppression/depression

44. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices, the Authority determined whether the effect of such imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose, the import prices of subject goods have been compared with the trends in cost of production and selling price of the domestic industry.

SN	Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
1	Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	100	119	137
2	Selling price	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	102	112	116

45. From the above, it is apparent that there is an increase in both the cost of sales and the selling price of the domestic industry during POI compared to the base year. However, the increase in the selling price is proportionately lower compared to the increase in the cost of sales, thereby reflecting price suppression.

c. Economic parameters relating to the domestic industry

46. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

i. Production, domestic sales & capacity utilization:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Demand	MT	3,935	5,088	4,033	6,100
Trend	Indexed	100	129	102	155
Capacity installed	MT	3,500	4,019	7,000	7,000
Trend	Indexed	100	115	200	200
Production	MT	3,052	2,885	4,965	3,825
Trend	Indexed	100	95	163	125
Capacity Utilisation	%	87.20	71.78	70.92	54.64
Domestic sales	MT	2367	2456	2573	3390
Trend	Indexed	100	104	109	143

47. From the above, it is noted that production has been fluctuating over the injury period. The production increased in POI compared to base year. Even when overall production has shown an increase by 25% points from base year and domestic sales have increased by 43% points in the same period, the demand of the product in the market has increased by 55% points as compared to base year, and the capacity utilisation of the domestic industry has declined. Sales of the domestic industry have increased over the injury period. However, increase in sales is proportionately below the increase in demand.

ii. Profitability

48. The profitability of the domestic industry in respect of domestic sales has been examined. It is noted that profitability of the domestic industry for the subject goods has significantly deteriorated over the injury period. It is also noted that the volume of dumped imports increased significantly in POI and the profitability of the domestic industry also declined significantly in POI to such an extent that the domestic industry was suffering significant financial losses, as could be seen from the following table.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	119	137
Selling price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	112	116
Profit/loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	73	-10
Profit/loss	Rs (lacs)	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	80	-15

iii. Employment and wages:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Employment	No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	119	117
Wages	Rs lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	122	140	189

49. It is seen that there has been increase in number of employees and also in wages during period of investigation as compared to base year

iv. Productivity

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Productivity per Employee	Kg/No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86	137	107
Productivity per day	Kg/Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	163	125

50. It is seen from the above that there is an increase in productivity in POI compared to the base year.

v. Return on investments and cash flow

51. The return on investment has been determined considering profit before interest and capital employed for the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. It is noted that return on capital employed has significantly deteriorated in POI, as apparent from the following table.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Profit/loss	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	80	(15)
Profit per unit	Rs/Kg	***	***	***	***
		100	113	73	-10
Depreciation	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	220	247	231
Cash Profit	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	141	118	41
Cash profit per unit	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	136	108	29
Return on capital employed - NFA Basis	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	62	55	20

52. The cash profit has shown a substantial and significant decline in POI. It is noted that the depreciation has increased. The domestic industry has added capacity during the period, resulting in depreciation. However, depreciation after 2007—08 is almost in the same region, whereas the profits have steeply declined and the domestic industry has suffered loss during POI. The Authority notes that the decline in profits is not due to increase in depreciation expenses.

vi. Inventories:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Average Stock	MT	443	528	1,234	1,844
Trend	Indexed	100	119	279	417
Average Inventory as days sales	MT	71	63	205	155
Trend	Indexed	100	88	288	218
Domestic sales	MT	2,367	2,456	2,573	3,390
Trend	Indexed	100	104	109	143

53. Due to dumped imports from subject countries, Domestic Industry has not been able to sell its goods. This has resulted in increase in inventories, as apparent from the table above, which has shown a very significant increase in POI. The domestic industry has been forced to take production shutdown in view of piling up of inventories, despite the fact that the production process involves running of furnace at a high temperature and one production shutdown has significant impact on the domestic industry.

vii. Growth:

54. Growth of the domestic industry in terms of capacity utilization, inventories and market share was negative, while the same in respect of production and sales was positive. However, the domestic industry has been forced to suspend production during POI. Growth in terms of price parameters, viz. profits, cash profits, profits and return on investment has been negative.

viii. Ability to raise capital investments

55. It is noted that the domestic industry has enhanced capacities in 2007-08 by adding a new plant at Sitargunj, for which fresh investments have been made. It is, however, noted that the enhancement of capacity has to be seen along with significant increase in demand of the product in the country.

ix. Magnitude of dumping and dumping margin

56. The dumping margin determined herein above in respect of cooperative exporter as well as non cooperative exporters is considered significant and above the de minimis level.

d. Conclusion on injury parameters

57. It is thus seen that

- a) Imports from subject countries have increased in absolute terms. The increase in imports is significant.
- b) Imports have increased in relation to imports in India, production and consumption in India.
- c) Imports are undercutting the prices of domestic industry to a significant extent.
- d) Selling prices of the domestic industry increased. However, cost of production of the domestic industry also increased. The increase in the selling price was lower than the increase in the cost of production. The dumped imports have thus caused price suppression.
- e) Domestic sales increased over the injury period. However, the increase in sales was lower than increase in demand and the domestic industry faced significant pile up of inventories.
- f) The domestic industry added capacities, which appear to be in line with increase in present and potential demand of the product in the Country. Utilisation of the capacities by the domestic industry has suffered during the injury period. Capacity utilisation of the domestic industry declined.
- g) Market share of the dumped imports has increased and that of domestic industry has declined.

- h) Profits, return on investment and cash profits of the domestic industry have deteriorated significantly. Examination of possible other factors for decline in profits does not show that the decline in profits is primarily due to other factors.
- i) Inventories with the domestic industry have increased significantly. The domestic industry has undertaken exports and production shutdown to liquidate the inventories, at significant financial losses.
- j) Volume parameters of the domestic industry declined in spite of existence of significant demand.
- k) Dumping margins as a parameter of injury are significant.
- l) Employment, wages and productivity does not show adverse impact of dumping. However, deterioration in other vital parameters outweighs the improvement in these parameters.

58. The Authority, therefore, concludes for the purpose of the preliminary findings that the domestic industry has suffered material injury.

H.Causal link

Other Known Injury factors and Causal Link

59. Having examined the existence of material injury in terms of volume and price effects of dumped imports on the domestic industry, its price undercutting and price suppression effects and other vital parameters listed under the Anti Dumping Rules, the Authority has also examined whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

(a) Volume and prices of imports from other sources

Imports of the subject goods from third countries have declined. Further, the import prices from third countries are at prices significantly higher than the import prices from subject countries.

(b) Contraction in demand

Demand for the subject goods has shown an increase during POI compared to the base year. The injury to the domestic industry cannot be attributed to the lack of demand in the country.

(c) Change in pattern of consumption

The data on consumption does not show any significant change in the pattern of consumption of the product.

(d) Developments in technology

There is no evidence of significant changes in technology by any interested party, which could have caused injury to the domestic industry.

(e) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

The subject goods are freely importable. The applicant is the major producer of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the attention of the Authority by any interested party.

(f) Export performance of the domestic industry

The Authority notes that the export sales of the domestic industry have incurred losses. However, the losses in the domestic sales have been segregated for the purpose of injury analysis and injury is established even without considering export related losses.

(g) Productivity of the Domestic Industry

Though there has been increase in productivity till 2008-09, the same declined in 2009-10 with the significant decline in production. However, productivity on overall basis during the injury period is almost at the same level. Even when the productivity in 2006-07 and 2007-08 were comparable to POI, the profitability of the domestic industry declined steeply.

60. The above non-attribution analysis shows that no other known factors appear to have caused injury to the domestic industry.

Factors showing causal link:

61. While the above parameters establish that injury to the domestic industry has not been caused by the other factors, it can be noted that the following parameters establish that the injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

- (i) There is significant difference between the prices offered by the domestic industry and those offered by the exporters of the subject countries. Resultantly, domestic industry lost sales opportunity and market share. Thus, decline in market share and loss of sales opportunity is a direct consequence of dumped imports from subject country;
- (ii) Dumped imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry has been forced to reduce the prices.
- (iii) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are directly a result of dumped imports;
- (iv) Imports increased significantly in absolute terms. Resultantly, the inventories with the domestic industry increased. As a result of increase in inventories, the domestic industry was forced to suspend production for a considerable period. Suspension of production by the domestic industry despite existence of significant demand in the Country was due to presence of dumped imports in the market.

- (v) Market share of the imports from subject countries increased significantly. As a direct consequence, the market share of the domestic industry declined.
- (vi) Growth of the domestic industry became negative in respect of a number of parameters

62. It is thus seen that the injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.

63. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports from subject countries to determine injury margin. The injury margins have, thus, been worked out as follows:

Table showing Injury Margin

Country	Producer/ Exporter	Non Injury Price USD/kg	Landed value USD/kg	Injury Margin USD/kg
China PR	M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., (producer)	***	***	***
	M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd., (exporter)			
	All other combinations	***	***	***
UAE	All Producers/ Exporters	***	***	***

64. The level of dumping margins and injury margins as provisionally determined are considered significant.

I. Conclusion:

65. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- i. The product under consideration has been exported to India from the subject countries below Normal values.
- ii. The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject countries.
- iii. The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.
- iv. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
- v.

J. Indian industry's interest & other issues:

66. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

67. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

K. Recommendation

68. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional Anti-dumping duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation.

Duty table

69. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

1	2	3	4	5	6	7
SN	Tariff Head	Description of goods	Country	Producer	Exporter	Duty amount (USD/kg)
1	7013	Opal Glass-ware	China PR	M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd.	M/s Wenzhou Huishunda Industrial Trade Co. Ltd.	0.82

2	7013	-do-		Any other combination of producer/exporter	0.98
3	7013	-do-	UAE	Any producer	Any exporter

L. Further Procedure

70. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the these Preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing final findings.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority